एग्री आर्टिकल्स
(कृषि लेखों के लिए ई-पत्रिका)
वर्ष: 02, अंक: 01 (जनवरी-फरवरी, 2022)
www.agriarticles.com पर ऑनलाइन उपलब्ध
© एग्री आर्टिकल्स, आई. एस. एस. एन.: 2582-9882

रोजगार एवं महिला सशक्तिकरण में आयाम: गुलाब के बहुउपयोगी उत्पाद

(*दीपक कुमार[1], आर. एस. बोचल्या[1] एवं प्रदीप कुमार कुमावत[2])
[1]शस्य विज्ञान विभाग, शेर-ए-कश्मीर कृषि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, जम्मू (180009)
[2]कीट विज्ञान विभाग, शेर-ए-कश्मीर कृषि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, जम्मू (180009)
*pandeyagronomy@gmail.com

आज खेती योग्य भूमि घटने के कारण यह वर्तमान की जरूरत है कि जिवोपार्जन हेतु नए संसाधन की जरूरत की तरफ रुख किया जाए। इसी संदर्भ में फूलों की खेती विकल्प हो सकती है तथा इसकी खेती के लिए माकूल सब्सिडी भी उपलब्ध है। राजस्थान के कई जिलों में फूलों में देशी गुलाब की खेती का भाव में होने से यह नितांत आवश्यक है कि गुलाब के मूल्य संवर्धन द्वारा इसके विभिन्न उत्पादों का निर्माण कर के आय अर्जित करने का साधन के साथ-साथ बेरोजगार महिला व युवाओं द्वारा बनाया जाए यह संवर्धित है। फूलों का राजा गुलाब न केवल सौंदर्य का प्रतीक है अपितु इसका प्रयोग इत्र, तेल, शरबत, गुलकंद स्वीकृति इत्यादि के रूप में बहु प्रचलित है इसके अतिरिक्त भी इसका प्रयोग किया जा सकता है। कृषि विज्ञान केंद्र से प्रशिक्षण प्राप्त कर बेरोजगार युवक-युवतियों व ग्रामीण महिला भी गुलाब के मूल्य संवर्धित उत्पाद को तैयार कर बाजार में बेचकर आप अपनी आय का साधन बना सकते हैं। ग्रामीण महिलाएं न केवल स्वयं बल्कि समूह के माध्यम से इन मूल्य संवर्धित गुलाब के उत्पादकों का विपणन कर आत्मनिर्भर बन सकती है क्योंकि इन सस्कृत उत्पाद को तैयार करने में बड़े संयंत्रों की आवश्यकता नहीं होती है। अतः घर बैठे इन उत्पादों को तैयार कर बाजार में अच्छी आमदनी प्राप्त कर सकती है। गुलाब के शरबत की बोतल बाजार में लगभग 80 से ₹100 में बेची जाती है, परंतु घर पर तैयार करने में इसकी कीमत लगभग 40 से ₹50 लगती है इसलिए जरूरी है कि हम बहुत उपयोगी गुलाब के संवर्धित उत्पादों के बारे में जाने।

आज के समय रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए बाजार में कई उत्पाद उपलब्ध है जिन से बेहतर है कि हम घर पर तैयार उत्पाद का प्रयोग कर अपनी रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाए और अपने शरीर तथा स्वास्थ्य का ध्यान रखें। हम संवर्धित उत्पाद घर पर बनाकर अपनी आय को बढ़ा सकते हैं तथा लघु उद्योग भी चला सकते हैं जिससे कि घर पर बैठे कोई भी सदस्य इसे तैयार कर सकता है। इसको तैयार करने के लिए साफ सफाई का ध्यान रखना आवश्यक होता है।

गुलाब से बनने वाली वस्तुएँ

ऐसी चीजें जिनका प्रयोग रोज के जीवन में होता है, जैसे-

1. गुलाब जल: यह तरल पदार्थ बहुत से दवाइयों के रूप में इस्तेमाल किया जाता है। आयुर्वेदिक रूप से तैयार किया हुआ इसमें गुलाब की ठंडक और ताजगी होती है।
2. इत्र: इसका प्रयोग खुशबू की तरह किया जाता है। यह एक प्राकृतिक सौंदर्य पदार्थ है।

3. रोज़ शर्बत: गुलाब की पत्तियों और चीनी से बनाया जाने वाला यह प्राकृतिक शर्बत गर्मियों में बहुत ठंडक देता है।
4. गुलकंद: पेट की बीमारियों को दूर करने के अलावा यह पान का भी स्वाद बढ़ाता है।
5. गुलरोगन: गुलाब की पंखुड़ियों को तेल में मिलाकर बनाया जाता है।

गुलाब के मूल्यवर्द्धक उत्पाद

गुलाब का शरबत सामग्री: गुलाब की पत्तियां 1 किलोग्राम, पानी 250 ग्राम, चीनी 2 किलोग्राम, गुलाब सेंस 4-5 बूंद, नींबू का सत 5-7 ग्राम, लाल रंग दो-तीन बूंद, सोडियम बेंजोएट 1/4 चम्मच

विधि: सर्वप्रथम गुलाब की पत्तियों को धोकर एक कप पानी में भिगो दे, आधे घंटे तक भीगने के बाद उसे उबालें बाद समय ढक कर रखें 10 मिनट तक उबालने के बाद पतियों को साफ हाथ से मसले और छानले 250 ग्राम पानी व 2 किलो चीनी को मिलाकर गर्म करें और 5 से 7 ग्राम नींबू का सत, चार बूंद नींबू का रस मिला, पानी-चीनी के घोल को एक उबाला दे और ठंडा करें ठंडा होने पर बनी हुई गुलाब की पत्तियां का सत मिला दे, गुलाब एसेंस, लाल रंग व सोडियम बेंजोएट थोड़े से शरबत में गोल कर मिला दे तैयार शरबत साफ स्वच्छ कांच की बोतल में भंडारित करें।

गुलकंद बनाने की विधि: यह गुलाब की पंखुड़ियों तथा मिश्री/ चीनी को साथ में मिलाकर तैयार की जाती है। गुलकंद को बनाने के लिए गुलाब की पंखुड़ियों तथा मिश्री/ चीनी को 1:1 के अनुपात में उपयोग किया जाता है। सबसे पहले गुलाब की पत्तियों को अच्छी तरह धो लें अब पंखुड़ियों तथा चीनी एक साथ जार में एक परत लगभग 1 इंच मोटी गुलाब की पत्तियों की लगाएं अब इन अब इन पत्तियों पर चीनी की परत लगाएं 1 किलो चीनी का उपयोग करते हुए गुलाबी पंखुड़ियां गुलाब की पत्तियां एवं सैनिको परत दर परत लगाए वह जार के जार में ऊपर तक भर दें ध्यान रहे ऊपरी भरत चीनी की होनी चाहिए। अब इस 1000 को धूप में 1 दिन के लिए रखे अगले दिन बाकी बची हुई 1 किलोग्राम चीनी में से आधी चीनी डालकर धूप में रखें व तीसरे दिन सारी चीनी डालकर धूप में रखें अब जार को 4 से 5 दिन तक धूप में रखें वह अच्छी तरह हिला है तथा इसके पश्चात मिलकर ले तैयार हो जाएगा।

गुलकंद

गुलाब से तैयार की जाने वाली एक स्वादिष्ट मिठाई है। गुलकंद स्वादिष्ट होने के साथ-साथ सेहत के लिए भी फायदेमंद होता है। शरीर में गर्मी बढ़ने पर इसका सेवन करने से बढ़ी हुई गर्मी को कम किया जा सकता है। इसके साथ-साथ गुलकंद का सेवन शरीर में गर्मी की वजह से पैदा होने वाली समस्याओं से भी निजात दिलाता है। इसका नियमित सेवन करना दिमाग के लिए भी लाभकारी होता है। रोज सुबह और शाम गुलकंद की एक चम्मच मात्रा का सेवन करने से दिमाग शांत रहता है। जिन लोगों को अधिक गुस्सा आता है, उनके लिए गुस्से को कम करने में काफी लाभदायक साबित होता है। गुलकंद पोषक तत्वों का खजाना होने के साथ एंटीऑक्सीडेंट्स का भी अच्छा स्रोत होता है, जिसके कारण यह रोगों से लड़ने की क्षमता भी बढ़ाता है। इसके अलावा त्वचा संबंधित रोगों के लिए भी लाभदायक होता है। यह एंटीबैक्टीरियल भी है। गुलकंद का सेवन खाना खाने के बाद करने से खाने को पचाने में मदद करता है तथा पाचन शक्ति को भी बढ़ाता है।

गुलाब तेल

परफ्यूम उद्योग में उपयोग होने वाले तेलों में गुलाब का तेल सबसे महंगा है। गुलाब के लगभग 35 से 40 हजार कि.ग्रा. फूलों से लगभग एक लीटर गुलाब का तेल प्राप्त किया जाता है। गुलाब के तेल में कई प्रकार के ऐसे औषधीय गुण पाए जाते हैं, जो तनाव को कम करते हैं। बाजार में गुलाब के तेल की कीमत महंगी होती है। *रोजा डेमेसियाना* गुलाब के एक हैक्टर क्षेत्रफल से लगभग 800 मि.ली. तेल प्राप्त किया जा सकता है। गुलाब तेल की मांग लगातार बढ़ती जा रही है। इसलिए किसानों को इससे काफी अच्छा लाभ प्राप्त होता है।

गुलाब जल

यह एक ऐसा द्रव पदार्थ है, जिसको गुलाब के फूल की पंखुड़ियों से निकाला जाता है। गुलाब जल का उपयोग मुख्यतः सौंदर्य प्रसाधन, धार्मिक कार्यों, औषधीय रूप में तथा खाने में फ्लेवर के लिए किया जाता है। गुलाब जल तैयार करने के लिए सबसे पहले गुलाब के फूलों को सूर्योदय से पहले तोड़ लेना चाहिए। इस विधि में तांबे की बड़ी-बड़ी कड़ाहियों का उपयोग किया जाता है। तांबे की कड़ाहियों में 40 कि.ग्रा. फूल तथा पानी लेकर कड़ाहि को भट्टी पर चढ़ा दिया जाता है। फिर इसको गर्म किया जाता है। तांबे की कड़ाहि को बांस की नली द्वारा तांबे के मटके से जोड़ा जाता है। कड़ाहियों को गर्म करने पर निकलने वाली भाप को तांबे के मटके में एकत्रित किया जाता है, जब मटके में एकत्रित भाप को ठंडा किया जाता है, तो यह गुलाब जल में बदल जाती है। गुलाब के 40 कि.ग्रा. फूलों से लगभग 35 लीटर गुलाब जल तैयार किया जा सकता है। इस विधि से गुलाब जल तैयार करने में लगभग 6 से 7 घण्टे का समय लगता है।

अगरबत्ती और धूपबत्ती

अगरबत्ती और धूपबत्ती बनाने के लिए पहले से काम में लिए हुए गुलाब के फूलों, जिनको अपरिष्कृत आसवन विधि से काम में लिया गया हो, का उपयोग किया जाता है। अपरिष्कृत आसवन विधि में फूलों का उपयोग पूरी तरह से नहीं हो पाता है। इसलिए उनमें कुछ मात्रा में सुगंध बच जाती है। इन फूलों को धूप में सुखाकर अगरबत्ती और धूपबत्ती बनाने के लिए काम में लिया जाता है। धूप में सूखे हुए फूलों को अगरबत्ती और धूपबत्ती बनाने के अलावा इनका उपयोग हवन सामग्री के रूप में किया जाता है।

गुलाब के उपयोग

1. गुलाब की पत्तियों में प्राकृतिक ठंडक होती है. इसका इस्तेमाल सौन्दर्य लेप व उबटन के लिए किया जाता है।
2. गुलाब की पत्तियों के सेवन से शरीर के हर हिस्से विशेषकर पेट में ठंडक मिलती है, इसी के चलतें प्राचीन समय में गुलकंद घर में बना कर उसे खाया जाता था।
3. आयुर्वेद में गुलाब का प्रयोग उन दवाइयों में किया जाता है जिनका प्रयोग कब्ज़ या गैस निवारण के रूप में किया जाता है।
4. गुलाब के फूल में विटामिन सी की मात्रा भी पाई जाती है।
5. गुलाब के फूल की पत्तियों का चूर्ण बनाकर आँखों में लगाने से आँखों में ठंडक मिलती है।